राजस्थान पत्रिका

स्वर लहरियों पर भावविभोर हुए श्रोता

■ जैन कॉलेज में संगीत महोत्सव स्वर संभ्रम की धूम

■ जुटे सैकड़ों प्रतिभागी, दिखाया हुनर

बेंगलूरु

bangaluru@patrika.com

सात सुरों की स्वरलहरी में मुग्ध श्रोतागण। हर ओर केवल संगीत की चर्चा। मंच पर तबला, सितार और अन्य वाद्ययंत्र। संगीत के रस में श्रोताओं को भाव-विभोर करते जाने-माने और पहचान बनाने की कोशिश करते कलाकार।

अवसर था, जैन कॉलेज में आयोजित संगीत महोत्सव स्वर संभ्रम 2013 का। सारंगी वादक उस्ताद फैयाज खान के प्रदर्शन ने सभी का मन मोह लिया। कॉलेज के स्कूल ऑफ कॉमर्स एंडमैनेजमेंट स्टडीज की ओर से आयोजित महोत्सव में विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थी हिस्सा ले रहे हैं। उनकी रुचि के अनुसार वे भारतीय, पश्चिमी तथा अन्य प्रकार के संगीत कार्यक्रमों में भाग लेकर उनकी प्रतिभा दिखा रहे हैं।

समारोह का उद्देश्य संगीत के माध्यम से भारतीय सभ्यता, संस्कृति और युवाओं के हुनर को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम के पहले दिन भावगीत प्रतियोगिता में जैन सांध्यकालीन कॉलेज की शास्वती मंजूनाथ ने बाजी मार ली। फिल्मी हिट चरण के दौरान प्रतिभागी और दर्शक बड़े उत्साहित दिखे। पीईएस कॉलेज के चंदन इस प्रतियोगिता के विजेता रहे। व्यक्तिगत तथा सामूहिक वाद्ययंत्र प्रतियोगिता शेषाद्रिपुरम कॉलेज के प्रवीण ने सितार बजाकर खूब वाहवाही बटोरी और पहला पुरस्कार भी हासिल किया। भगवान महावीर जैन कॉलेज समारोह में विजेता बनकर उभरा।